

ये अव्यक्त इशारे  
**कर्मयोगी बनो**

**29-06-2024**

कर्मयोगी का पार्ट बजाते कर्म और योग का बैलेन्स चेक करना कि कर्म और याद अर्थात् योग दोनों ही शक्तिशाली रहे? अगर कर्म शक्तिशाली रहा और याद कम रही तो बैलेन्स नहीं और याद शक्तिशाली रही, कर्म शक्तिशाली नहीं तो भी बैलेन्स नहीं। तो कर्म और याद का बैलेन्स रखते रहना। सारा दिन इसी श्रेष्ठ स्थिति में रहने से कर्मातीत अवस्था के नजदीक आने का अनुभव करेंगे। सारा दिन, चलते फिरते खाते-पीते कर्मातीत स्थिति वा अव्यक्त फरिश्ते स्वरूप की स्थिति में रहना, यही कर्मयोगी स्टेज है।

## **Be a karma yogi.**

While playing the part of a karma yogi, check the balance of karma and yoga: Did my actions and remembrance, that is, yoga, both remain powerful? If your actions were powerful and there was less remembrance, then there isn't balance, and, if your remembrance is powerful and your actions are not powerful, then also, there is no balance. So, continue to have balance of karma and remembrance. By staying in this elevated stage throughout the day, you will experience yourself to be coming close to the karmateet stage. Throughout the day, while walking and moving, while eating and drinking, to stay in the karmateet stage or the avyakt, angelic stage is the karma yogi stage.